अहिंसा हमारे देश की संस्कृति और पहचान–आचार्य

ज्ञान सागर पंचकल्याणक मनोरंजन का मेला नहीं हैं – ब्रह्मचारिणी अनीता दीदी

विशाल जैन पवा । तालबेहट (ललितपुर) उ.प्र. वीर बुन्देलखण्ड की पावन धरा एवं महाराज मर्दन सिंह की नगरी तालबेहट में आचार्यश्री 108 विद्यासागरजी महाराज के संयम स्वर्णिम दीक्षा महोत्सव के पावन प्रसंग एवं गोम्मटेश्वर बाहुबलि के 88वें महामस्तकाभिषेक की पावन बेला और अष्टान्हिका महापर्व में सरकोद्धारक षष्ठ पट्टाचार्य परमपूज्य आचार्यश्री 108 ज्ञान सागरजी महाराज के ससंघ मंगलमय सानिध्य में ऐतिहासिक श्रीमाज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक जिन बिम्ब प्रतिष्ठा एवं विश्व शान्ति महायज्ञ हवन महामहोत्सव का आयोजन 22 से 27 फरवरी तक हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ । जिसमें प्रतिष्ठाचार्य ब्रह्मचारी जय निशांत भैयाजी टीकमगढ़ एवं दशम प्रतिमाधारी अशोक भैयाजी लिधौरा के निर्देशन में सह प्रतिष्ठाचार्य पं. मनीष जैन टीकमगढ़ ब्र.दीपक भैया टेहरका एवं पं. देवेन्द्र कुमार शास्त्री सौंरई ने विभिन्न धार्मिक क्रियाएँ विधि विधान से सम्पन्न करायी । ध्वजारोहण श्रीमती मीना-अनिल जैन 'ललितपुरवाले', श्री विद्यासागर रोडवेज नागपुर एवं मुख्यमंगल कलश की स्थापना पं. महेन्द्र कुमार जैन 'प्रवक्ता' विदिशा ने की । संगीतकार सुनीलकुमार एण्ड पार्टी भोपाल के सुन्दर भजनों की प्रस्तुति में सौधर्म इन्द्र अमृता-अजय जैन विरधा, कुबेर इन्द्र रचना-पुष्पेन्द्र जैन बिरधा, महायज्ञ नायक रजनी-अनिल जैन गुंदेरा, भरत चक्रवर्ति रचना-अनिल जैन बबीना, बाहुबलि अंजना-सुशील जैन पवा, ईशान इन्द्र संध्या-श्रेयांश जैन बबीना, सनतकुमार इन्द्र शुलभा-ललित जैन ललितपुर, माहेन्द्र इन्द्र दीपा-प्रवीण जैन कड़ेसरा एवं सोम श्रेयांश सुरेन्द्र कुमार जयकुमार पवैया कड़ेसरा सहित समस्त इन्द्र-इन्द्राणियों ने पंचकल्याणक की विभिन्न क्रियाएँ सम्पन्न की । 23 फरवरी को सराक सम्मेलन एवं 21 फरवरी को कॉन्फ्रेंस में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें आचार्य श्री ज्ञान सागरजी महाराज ने बढ़ते आतंकवाद एवं इन्टरनेट मोबाइल के माध्यम से बिगड़ते देश के भविष्य और अहिंसा के अभाव में प्राकृतिक असन्तुलन को चिन्ता का विषय एवं बढ़ते डिप्रेशन का कारण बताया ।

आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज का शुभागमन 15 फरवरी को हुआ तो कस्बे को अयोध्या नगरी जैसा सजाया गया एवं श्रद्धालुओं ने निकटवर्ती ग्राम कड़ेसरा कला से आचार्यश्री की ससंघ भव्य अगवानी की, नगर को तोरण द्वारों से सजाया गया एवं आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती की गयी ।

22 फरवरी को घटयाला की भव्य शोभायात्रा से श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया तत्पश्चात जिन बिम्ब प्रतिष्ठा की समस्त क्रियाओं में पहले दिन गर्भ कल्याणक का पूर्व रूप एवं 23 फरवरी को उत्तर रूप, 21 फरवरी को जन्म कल्याणक, 25 फरवरी को तप कल्याणक 26 फरवरी की ज्ञान कल्याणक एवं अन्तिम दिन 27 फरवरी को मोक्ष कल्याणक की क्रियाएँ सम्पन्न की गयी एवं विश्व शान्ति महायज्ञ हवन का आयोजन किया गया ।

मनोज शर्मा, कंठस्थाकला केन्द्र दिल्ली ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सुन्दर प्रस्तुति दी । इस अवसर पर आचार्यज्ञान सागरजी महाराज ने कहा कि अहिंसा हमारे देश की संस्कृति और पहचान है, देश-विदेश के बड़े - बड़े डॉक्टर वैज्ञानिकों ने भी अहिंसा को स्वीकार करते हुए शाकाहार को सर्वश्रेष्ठ आहार एवं गृहण करने योग्य बताया गया है । उन्होनें पाषाण से भगवान बनाने की क्रियाओं को प्रतिदिन अपने मंगल प्रवचन में समझाया एवं कहा कि तम से ही वासना पर विजय मिलती हैं, यह दिगम्बर चोला संयम की साधना और वासना मुक्ति की पर्याय है । रात्री में मंगल आरती सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं शास्त्र प्रवचन का आयोजन किया गया । प्रतिष्ठाचार्य जय निशांत भैयाजी ने कहा कि जिनबिम्ब प्रतिष्ठा कार्यक्रम पाषाण से भगवान बनाने की कला वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित है । अशोक भैयाजी ने कहा कि धार्मिक क्रियाओं में विशुद्धि से ही मन्दिरों का अतिशय बढ़ता है । कार्यक्रम के समापन पर विशाल रथ यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें श्रीजी की शोभायात्रा हर्षोल्लास के साथ निकाली गयी । आचार्य श्री की संघस्थ ब्रह्मचारिणी अनीता दीदी ने कहा कि यह पंच कल्याणक मनोरंजन का मेला नहीं है, उन्होनें कहा कि दौलत शोहरत से नहीं भाग्यशाली तो चारित्र की सम्पदा, वाले होते हैं, लेकिन आज के समय में दर्शन नहीं प्रदर्शन की प्रधानता है । भक्ति भगवान की और भक्त पत्थर के उनका अन्तर्मन सूखा ही रहता है । भक्त गीले कपड़े नहीं शक्कर के घोल जैसे होना चाहिए । जिसमें श्रद्धा और आस्था को कभी मन से अलग न हो । दु:ख हरण, कर्मनाश एवं विश्व शांति की मंगलभावना से किये धार्मिक अनुष्ठान हमेशा सफल होते हैं । कार्यक्रम में आचार्य के संघस्थ मुनि उपाध्याय अभिनन्दन सागर, मुनि विश्वास सागर, मुनिज्ञेय सागर मुनि सुधर्म सागर, आर्यिका कीर्तिमति, आर्यिका कुमुद मति, क्षुल्लिका कीर्तिमति ने धर्म प्रभावना की । माता-पिता की भूमिका में श्रीमती सुशीला देवी दीपचन्द्र जैन गौरवाले रहे । पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव प्रभारी प्रवीण जैन 'दैनिक विश्व परिवार' झाँसी सहित भारी संख्या में श्रद्धालुओं का सहयोग रहा । कार्यक्रम का संचालन पावागिरीजी अध्यक्ष ज्ञानचन्द्र पुरा एवं पार्षद प्रतिनिधि चौधरी चक्रेश जैन ने किया । अन्त में वासुपूज्य दिगम्बर जैन मन्दिर के महामंत्री प्रवीण जैन कड़ेसरा ने सभी का आभार व्यक्त किया ।

पार्श्वनाथ सहकारी साख संस्था का रजत जयंती समारोह सानंद सम्पन्न

साधना जैन, इन्दौर । देश की प्रथम गोलालारीय समाज सदस्यों द्वारा संचालित सहकारी साख संस्था का रजत जयंती वर्ष नगर के नवग्रह जिनालय पर संस्था सदस्यों के परिजनों के साथ मनाया गया । प्रात:

जिनालय पर भक्ताम्बर पाठ के वाचन पश्चात सदस्यों के लिए स्वल्पाहार रखा गया तत्पश्चात विशेष सभा में संस्थापक अध्यक्ष श्री राजेन्द्र कुमार जैन 'सायकल वाले' पूर्व अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार पेठेवाले, श्री विजयकुमार जैन 'बियाबानी वालों' के साथ गोलालारीय समाज के स्थाई ट्रस्टी श्री हरीशचंद जैन व इंजी आनंद कुमार जैन सहित समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंद जैन, सचिव श्री बाहुबली जैन के साथ वर्तमान अध्यक्ष श्री सुधेश जैन द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया । मंगलाचरण पश्चात अध्यक्ष सुधेश जैन ने संस्था के गत 25 वर्षों के सफर की जानकारी दी । सर्वप्रथम उन्होनें समाज के वरिष्ठ सदस्य व स्थाई ट्रस्टी श्री रमेशचंद्र का विशेष योगदान माना जिनके प्रयासों से ही देश की प्रथम गोलालारीय सहकारी साख संस्था का निर्माण व सुचारू संचालन संभव हो पाया । जब जब संस्था को उनके सहयोग की जरूरत पड़ी आपने सहर्ष योगदान देकर संस्था की राह आसान बनाई ।

साथ ही पूर्व अध्यक्ष श्री विजयकुमार जैन बियाबानी के कार्यकाल में संस्था ने जो ऊंचाईयां प्राप्त की उसके लिए उनका हृदय से आभार माना । । संस्था की कार्यकारिणी की और से संस्थापक अध्यक्ष व पूर्व अध्यक्ष का शाल श्री फल भेंट कर सम्मान कर प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया । अध्यक्ष द्वारा संस्था की गतिविधियों की जानकारी उपस्थित सदस्यों को देते हुए बताया कि वर्तमान में संस्था द्वारा एक लाख रुपये की राशि का ऋण प्रदान किया जा रहा है । सभी सदस्यों को परिवार कल्याण योजना का लाभ भी प्रदान किया जाता है । तत्पश्चात रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में सदस्यों को स्मृति स्वरूप उपहार भेंट किया गया पश्चात संस्था उपाध्यक्ष श्रीमती संगीता जैन व साधना जैन द्वारा तंबोला खिलाया गया । विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए । सभा के अंत में आभार पूर्व अध्यक्ष श्री विजय जैन द्वारा आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सदस्यों के सहयोग से ही संस्था निरंतर प्रगति की राह पर अग्रसर है । सभा के अंत में सदस्यों ने स्वरूचि भोजन का आनंद लिया ।

गायों ने आमंत्रित कर लिया आचार्य विद्यासागरजी महाराज को मिठाई की दुकान में..

रायपुर । भारतीय गायों की गुणवत्ता और उनके प्रति प्रेम, वात्सल्य के चलते राष्ट्र संत दिगम्बराचार्य विद्यासागरजी महाराज अपने संघ के साथ गुड फूड मिठाई की दुकान पर उस समय पहुंच गए, जबकि वह रायपुर में प्रवेश कर रहे थे । दिगम्बर साधु किसी की दुकान प्रतिष्ठान पर बिना कारण कभी नहीं जाते । लेकिन रायपुर में भारतीय गायों के ए2 दूध का बड़ा डेयरी फार्म चला रहे श्री राजेन्द्र तमोली का ही यह मिठाई का शोरूम है । जिस पर सिर्फ गाय के दूध की बनी मिठाईयाँ ही मिलती है । एक और आचार्य श्री की आगवानी प्रदेश के मंत्री नेतागण कर रहे थे, उनकी आगवानी में दर्जनों बैण्ड, मंगल कलश, धर्म ध्वजायें, हाथी, घोड़े चले रहे थे, इन सबको दरकिनार कर आचार्य श्री विद्यासागर महाराज राजेन्द्र तमोली के निवेदन पर उसके मिठाई के शोरूम को निर्धारित मार्ग छोड़कर देखने चले गए ।

आचार्य श्री के साथ ही उनके पूरे संघ के साधुगण भी गुड फूड पर पहुंच गए । अवलोकन करके आचार्य श्री लौटे तो उनका मिठाई की दुकान पर जाना चर्चा विषय बन गया । लोगों ने कहा कि आखिर आचार्य विद्यासागर जी महाराज मिठाई की दुकान पर क्यों गए । तो विद्वानों ने बताया कि भारतीय गाय का ए2 दूध अमृत के समान होता है और जब एक व्यक्ति ने समर्पित होकर गौसेवा व संरक्षण का कार्य किया है तो गायों के प्रति आत्मीयता के भाव से आचार्य श्री मिठाई की दुकान पर भी पग रख दिये । आचार्य श्री के इस कृत्य से अकेले राजेन्द्र तमोली ही नहीं वरन पूरे भारत वर्ष में भारतीय गायों के लिए समर्पित गौ भक्तों का सम्मान बढ़ गया है।

पुण्य स्मृति : श्रीमती कुसुम मानोरिया

देह त्याग –
दि. 22 जनवरी 2018
सोमवार

श्रद्धा सुमन

कुन्दनलाल जैन मानोरिया

पुत्र – श्रीमती लता राजेश जैन, श्रीमती मनीषा संजय मानोरिया
प्रपौत्र – श्रीमती सुरभि सिद्धार्थ जैन, सिद्धांत जैन, पारस, संस्कृति मानोरिया
पुत्रियां – श्रीमती पुष्पावेन कैलाशचन्द्र (अहमदाबाद)
श्रीमती स्नेहलता गणेशराम (बछौड़ा)
श्रीमती उषावेन श्रीचंद्र (अहमदाबाद)
श्रीमती किरण अनिल कुमार (भोपाल)
श्रीमती साधना अनंत स्नेही जमोरिया (नसीराबाद)

स्मृति में – कुसुम कुन्दन जैन, मानोरिया धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट की स्थापना 25 लाख रुपये से की गयी । जिसके ब्याज से धार्मिक कार्य, सामाजिक कार्य, जरुरतमंद को शिक्षा, स्वास्थ्य आजीविका में सहयोग एवं पाठशालाओं को प्रोत्साहन के लिये सहयोग किया जायेगा ।